

## NAEP AT A GLANCE

### राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम

#### **National Adult Education Programme (NAEP)**

The National Adult Education Programme (NAEP) was launched on 2nd October, 1978 in order to eradicate illiteracy among adults of the age group 15-35 years. The program aimed at providing remedy to educational deprivation and enable them to develop their potential.

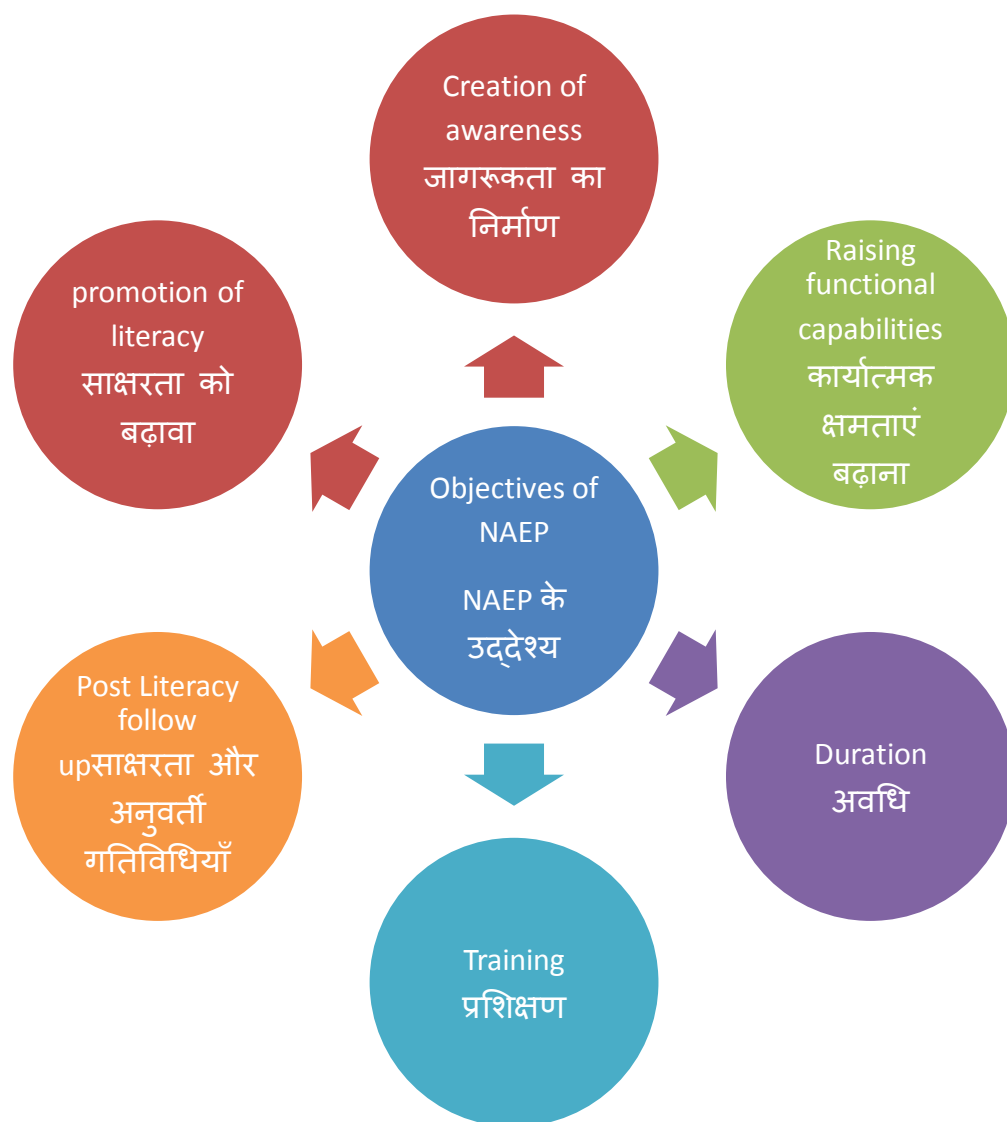
#### **राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम**

15-35 वर्ष की आयु के वयस्कों में निरक्षरता को मिटाने के लिए 2 अक्टूबर, 1978 को राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम (NAEP) शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक अभाव को दूर करना है और उन्हें अपनी क्षमता विकसित करने में सक्षम बनाना है।  
राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

#### **Objectives of National Adult Education Programme (NAEP)**

#### **राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के उद्देश्य**

Following are the objectives of NAEP:  
NAEP के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :



### (1) Promotion of Literacy:

Imparting of literacy skills to persons belonging to the economically and socially deprived sections of the society.

#### साक्षरता को बढ़ावा:

समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से संबंधित व्यक्तियों को साक्षरता कौशल का आयात करना

**(2) Creation of Awareness:**

Creating an awareness in helping them overcome their helplessness and to achieve self-reliance.

**जागरूकता का निर्माण:**

उनकी लाचारी को दूर करने और आत्मनिर्भरता हासिल करने में उनकी मदद करने के लिए जागरूकता पैदा करना।

**(3) Raising functional capabilities:** Raising their functional capabilities in their occupation and skills of management to their own advantage as a group.

**कार्यात्मक क्षमताएं बढ़ाना:**

एक समूह के रूप में उनके स्वयं के लाभ के लिए उनके व्यवसाय और प्रबंधन के कौशल में उनकी कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ाना।

**(4) Duration:**

The period during which the learners would participate in the adult education centers, would be between 300 to 350 hours, or 9-10 months.

**अवधि:**

जिस अवधि के दौरान शिक्षार्थी वयस्क शिक्षा केंद्रों में भाग लेंगे, वह 300 से 350 घंटे या 9-10 महीनों के बीच होगा।

**(5) Training:**

Training of various adult education functionaries has been given a place of special importance in NAEP.

**प्रशिक्षण:**

विभिन्न वयस्क शिक्षा अधिकारियों के प्रशिक्षण को NAEP में विशेष महत्व का स्थान दिया गया है।

### (6) Post-Literacy and follow-up Activities:

Before conclusion of the programme, preparations have to be made for organization of a continuing education. These centers would provide library and reading room facilities, training courses for functional development as well as group action and group organization activities.

### साक्षरता और अनुवर्ती गतिविधियाँ:

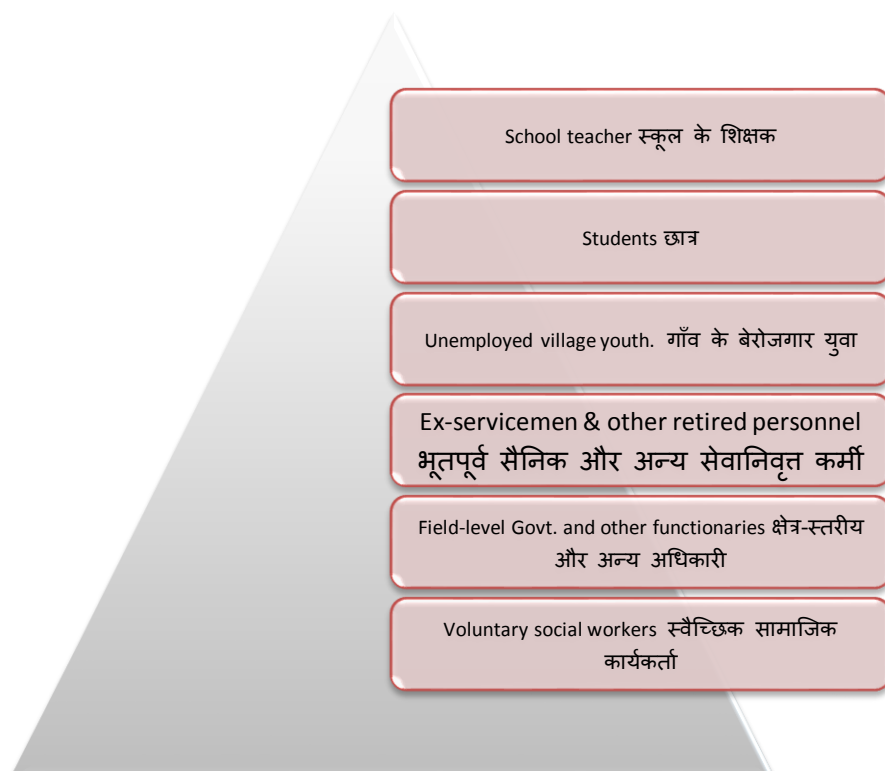
कार्यक्रम के समापन से पहले, एक सतत शिक्षा के संगठन के लिए तैयारी की जानी चाहिए। ये केंद्र पुस्तकालय और वाचनालय की सुविधा, कार्यात्मक विकास के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और समूह कार्रवाई और समूह संगठन गतिविधियाँ प्रदान करेंगे।

### Agencies

The various categories of persons, who could be assigned instructional responsibility would include the following:

#### एजेंसियां

व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियां, जिन्हें अनुदेशात्मक जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:



## **Various activities performed by NAEP**

1. Creating of a favorable environment for launching of NAEP.
2. Preparation of detailed plans for each state and territory.
3. Establishing necessary structure for administration.
4. Identifying of various agencies official and non-official to be involved in the programme.
5. Developing a capacity in all states for preparation of diversified and need based teaching learning materials,
6. Developing of training methodologies and preparation of training manuals for various adult education functionaries.
7. Involving various categories of persons in instructional responsibility like school teacher, students, unemployed village youth, retired personnel, voluntary social workers etc.
8. Organizing follow-up programme for the success of adult literacy.

## **NAEP द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियाँ**

1. NAEP के प्रक्षेपण के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण।
2. प्रत्येक राज्य और क्षेत्र के लिए विस्तृत योजना तैयार करना।
3. प्रशासन के लिए आवश्यक संरचना की स्थापना।
4. कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विभिन्न एजेंसियों के आधिकारिक और गैर-आधिकारिक की पहचान करना।
5. विविध और तैयार शिक्षण सामग्री की आवश्यकता के लिए सभी राज्यों में क्षमता विकसित करना,
6. विभिन्न प्रौढ़ शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण पद्धति और प्रशिक्षण मैनुअल तैयार करना।
7. विद्यालय के शिक्षक, छात्र, बेरोजगार गाँव के युवा, सेवानिवृत्त कर्मी, स्वैच्छिक सामाजिक संस्था आदि जैसे अनुदेशात्मक उत्तरदायित्व में व्यक्तियों की विभिन्न श्रेणियों को शामिल करना।
8. प्रौढ़ साक्षरता की सफलता के लिए अनुवर्ती कार्यक्रम का आयोजन ।

## **Organisation and Administration:**

The National Board of Adult Education has been set up under chairmanship of the Union Education Minister to periodically appraise the progress and implementation of NAEP and to advise the government on various matters.

In each state there will be a State Board of Adult Education to function as the agency of Coordination and advice. There will be a State Adult Education officer with necessary supporting administrative and professional staff under the overall guidance of the State Board.

All the efforts are being taken for promoting meaningful and effective Adult Education. The world over the educational planning has moved away from a sartorial view of primary schooling, non-formal education and adult education to a holistic view.

## **संगठन और प्रशासन:**

एनआईपी की प्रगति और कार्यान्वयन को समय-समय पर लागू करने और विभिन्न मामलों पर सरकार को सलाह देने के लिए समय-समय पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा बोर्ड का गठन किया गया है।

प्रत्येक राज्य में समन्वय और सलाह की एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए एक राज्य बोर्ड ऑफ एडल्ट एजुकेशन होगा। राज्य बोर्ड के समग्र मार्गदर्शन में आवश्यक सहायक प्रशासनिक और पेशेवर कर्मचारियों के साथ एक राज्य वयस्क शिक्षा अधिकारी होगा।

सार्थक और प्रभावी प्रौढ़ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। शैक्षिक नियोजन की दुनिया में प्राथमिक स्कूली शिक्षा, गैर-औपचारिक शिक्षा और वयस्क शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण की स्थापना हो रही है।

Prepared by-

Mrs. Aayesha Hendricks